Total Printed Page : 4 **Roll No.....**

MASL-102

संस्कृत भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

समय 3 घंटा **पूर्णांकः 80**

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये है प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. भाषा की परिभाषा को बतलाते हुए भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. संस्कृत भाषा का वैशिष्ट्य बताते हुए वैदिक और लौकिक संस्कृत की समानताओं - विषमताओं पर प्रकाश डालिए।
3. ध्वनिनियम को परिभाषित करते हुए वर्नर नियम का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. रमाशब्द के षष्ठी विभक्ति के तीनों रूपों को सूत्रोल्लेखपूर्वक व्याख्या कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये है प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. पद और शब्द के भेद को परिभाषित करते पद भेद पर प्रकाश डालिए।

2. सूत्रोल्लेखपूर्वक 'हरौ' शब्द की सिद्धि कीजिए।

3. मात्रा क्या है? उसके भेद स्पष्ट कीजिए।

4. ग्रिमनियम का वर्णन कीजिए।

5. वर्णविपर्यय क्या है? स्पष्ट कीजिए।

6. प्राकृतनियम क्या है? वर्णन कीजिए।

7. सूत्रोल्लेखपूर्वक 'पितरि' शब्द की सिद्धि कीजिए।

8. पतिशब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए।

खण्ड-ग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये है। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. 'सर्वस्मात्' कहाँ का रूप हैं?

   (अ) सप्तमी द्विवचन (ब) पञ्चमी द्विवचन

   (स) पञ्चमी एकवचन (द) सप्तमी एकवचन

2. विश्वशब्द के चतुर्थी एकवचन का रूप हैं।

   (अ) विश्वाय (ब) विश्स्मै

   (स) विश्वम् (द) इनमें से कोई नहीं

3. 'यस्मात्प्रत्यय विधिस्तदादि प्रत्ययेडङ्गम्' सूत्र विधान करता हैं।

   (अ) सर्वनाम संज्ञा (ब) टि संज्ञा

   (स) प्रत्यय संज्ञा (द) अङ्ग संज्ञा

4. आख्यात पदबोधक है।

   (अ) देवदन्तः (ब) ग्रामम्

   (स) गच्छति (द) अद्य

5. 'पठसि' में प्रत्यय हैं।

   (अ) तिप् (ब) तस्

   (स) झि (द) सिप्

6. उपसर्ग होते है-

(अ) 22 (ब) 21

(स) 20 (द) 18

7. पितृशब्द है-

(अ) पुल्लिंग (ब) स्त्रीलिंग

(स) नपुंसकलिङ्ग (द) त्रिलिङ्ग

8. 'रमासु' रूप है-

(अ) सप्तमी बहुवचन (ब) पञ्चमी बहुवचन

(स) चतुर्थी बहुवचन (द) प्रथमा बहुवचन

9. व्याकरण शब्द में उपसर्ग है-

(अ) आङ् (ब) वि

(स) विम्आङ् (द) व्या

10. पतिशब्दार्थ है-

(अ) पतित (ब) स्वामी

(स) पातक (द) निपात

*****